https://www.upboardonline.com/

विषय– मलयालम

कक्षा–9

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

1–गद्य (1) मथरू देवो भव

2–पद्य– (1) शिष्यानम मकनम

1–व्याकरण– (2) वाक्य संशोधन

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

विषय–मलयालम

कक्षा–9

केवल प्रश्न–पत्र

इस विषय में 70 अंकों का केवल एक प्रश्न.पत्र तीन घण्टे का होगा। **अंक**

भाग (अ) **35**

1–व्याकरण– 15

(1) कतृवाच्य और कर्मवाच्य परिवर्तन

(3) शब्द अध्ययन

(4) विपरीतार्थक एवं पर्यायवाची शब्द

व्याकरण का औपचारिक ज्ञान देते समय व्याकरण के कार्यकारी प्रयोग पर विशेष बल दिया जाना चाहिए ताकि छात्रों में भाषा व्याकरण की उपयोगिता का ज्ञान हो सके तथा भाषा चातुर्य को बढ़ावा मिल सके।

2–रचना– 20

(क) मुहावरे तथा लोकोक्तियां 4

(ख) पत्र लेखन (दैनिक जीवन से सम्बन्धित व्यक्तिगत तथा कार्यालयी प्रकरणों पर) 5

(ग) पैराग्राफ राइटिंग (दैनिक जीवन से सम्बन्धित) 7

(घ) सार लेखन 4

भाग (ब) **35**

1–गद्य 13

केरला पाठावली– वाल्यूम संख्या (09) 1992 संस्करण (केवल गद्य भाग)

प्रकाशक– शिक्षा विभाग, केरल सरकार, त्रिवेन्द्रम।

निम्नांकित पांच पाठों का अध्ययन करना–

(2) पाटाचोनची चोरू

(3) इका लोकम

(4) यशुदेवन

(5) स्वातिपुत सम्निधीइल

2–पद्य– 13

केरला पाठावली– वाल्यूम संख्या (09) 1992 संस्करण (केवल पद्य भाग)

प्रकाशक– शिक्षा विभाग, केरल सरकार, त्रिवेन्द्रम।

निम्नांकित पांच पद्यों का अध्ययन किया जाना है––

(1) काव्यनार्णाकी

(3) अवानीपघम

(4) अपहस्थान्या सुयोधनम्

(5) वालूथवानम

3–अविस्तृत अध्ययन हेतु (संक्षिप्त कहानियों का संकलन)– 09

Downloaded From official website on dt 12-Nov-2021

https://www.upboardonline.com/

निर्धारित पुस्तक
उर्मिला (1987 संस्करण)
प्रकाशक–शिक्षा विभाग, केरल सरकार, त्रिवेन्द्रम।

Downloaded From official website on dt 12-Nov-2021